

Ὡς ωράθης Χριστέ

Ἰἶκω ἰαβήια

2. hlas ZR

Byzantská tradícia: Am (186)

Ruská tradícia poreformná: S409, 410, 411, 416, 447

0. Samopodoben: obsoletum
Ὡς ωράθης Χριστέ

1-4. Podoben: Týždeň po syropôstnej nedeli, večiereň na stredu // na štvrtok
Βρώσει πάλαι πικρά
Ξύλου βρώσει ποτέ //
Φεγγοβόλους υμάς
Αρετών Ηλιού

Znamenný nápev je doložený v S414 (3. a 4.) a S447 (1.-4.). Hoci nápev čiastočne reflektuje byzantskú predlohu, v delení textu na kóla vládne značný neporiadok. V prepise uvádzame len stichiry 3.-4.

Pri úprave na spev prihliadame na byzantskú melódiu a v záujme zachovania štruktúry nápevu sme neváhali aj výraznejšie korigovať znamennú predlohu.

Φεγγοβόλους υμάς, ως αστραπᾶς εἰς πάντα Κόσμον,
Ἰησοῦς ὁ νοητός ὄντως ἥλιος
εξαποστείλας, ἀπεμείωσε ταῖς λαμπρότησι,
τοῦ υμῶν ἐνθέου κηρύγματος,
πλάνης τό σκότος, θεόπται Ἀπόστολοι,
καί ἐφώτισε τοὺς ἐν ζόφῳ, τῆς ἀγνωσίας
κεκρατημένους πονηρῶς, ὄνπερ ἐκδυσωπήσατε,
καταπέμψαι καί ἡμῖν τόν φωτισμόν, καί τό μέγα ἔλεος.

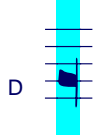
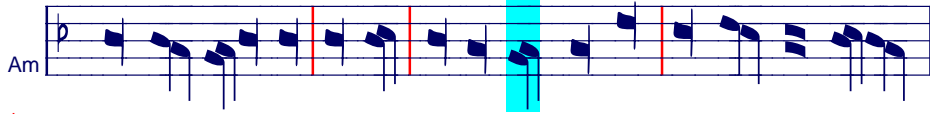
Ἀρετῶν Ἡλιοῦ, προσεπιβάς ἄρματι θεῖῳ,
τῆ νηστεία λαμπρυνθεῖς ἀνεφέρετο,
ἐπί τό ὕψος τό οὐράνιον, Τούτον ζήλωσον,
ταπεινή ψυχὴ μου καί νήστευσον,
πάσης κακίας, καί φθόνου καί ἐριδος,
καί τρυφῆς ἀπορρεούσης, καί ἐνηδόνου,
ὅπως οδύνην χαλεπὴν ἐκφύγῃς, διαιωνίζουσαν,
τῆς γεέννης ἐκβοῶσα τῷ Χριστῷ. Κύριε δόξα σοι.

Въ срѣдѣ пѣрвыа седмѣцѣ вѣчера. На Гдѣ воззвахъ. Тѣже господѣна ѱωсѣфа, гласъ б. Подобенъ: Іѣкѡ ѡбѣсѣа:

Свѣтлозчыма вѣсѣ ѱѡкѡ мѡлѣнѣн, въ вѣсѣ мѣрѣ
ѱѣсѣ, мѣсленное вѡсѣтнѣнѣ ѡлнцѣ
поелѣвъ, ѡгнѣмъ жѣтъ свѣтлозчѣмѣн
вѣсѣмъ вѣжѣтвеннымъ проповѣдѣн
прѣлестнѣ тѣмъ, вѣговѣдѣцѣ апѣлн,
нѣ просвѣтѣнѣ во мѣрѣ невѣдѣнѣнѣ
держнѣмъ лѣтѣ. жѣже оѣво молѣтѣ,
нѣзпоелѣтнѣ нѣ нѣмъ просвѣтѣнѣнѣ нѣ вѣлѣю мѣтѣ.

Другій тогѡже. Подобенъ:

Добродѣтельнѣнѣнѣ возшедъ на колеснѣцѣ вѣжѣтвеннѣю,
погѣтѣмъ просвѣтѣнѣмъ, возношѣшѣмъ
на высоцѣнѣнѣнѣнѣ: емѣ поревнѣнѣ
емнрѣннѣмъ дѣшѣ молѣ, нѣ погѣтѣмъ
ѡ вѣлѣкѣмъ слѡбѣ, нѣ зѣвнѣтнѣ, нѣ вѣлѣмъ
нѣ мѣлѣтнѣ тѣкѣцѣнѣ нѣ мѣлѣтнѣмъ:
ѱѡкѡ да болѣзнѣнѣ лѣтѣмъ нѣзѣжнѣшнѣ, вѣчнѣнѣнѣнѣ
гѣннѣмъ, вѡпѣнѣнѣнѣнѣ: гдѣн, мѣлѣмъ тѣвѣтѣ.



- 1. Βρώ-σει πά-λαι πι-κρά, εξ-οι-κι-σθέν-τες Πα-ρα-δεί-σου,
- 2. Ξύ-λου βρώ-σει πο-τέ, α-ποι-κι-σθέν-τες Πα-ρα-δεί-σου,
- 3. Φεγ-γο-βό-λους υ-μάς ως α-στρα-πάς εις πάν-τα Κό-σμον,
- 4. Α-ρε-τών Η-λι-ού, προσ-ε-πι-βάζ άρ-μα-τι θεί-ω,



3. S414

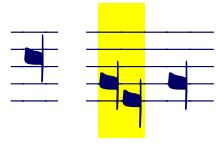
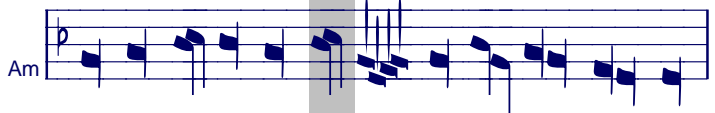


ΒΓ-ΤΟ-ΑΔ-ΥΕ-ΗΗ Η ΒΛСО ΗΑ-ΚΟ ΜΟΛ-ΗΗ-Α ΒΟ ΒΕ-СΕ ΜΗ-ΦΟ

4. S414



ΑΟ-ΒΡΟ-ΔΤ-ΤΕ-ΛΕ-ΜΗ Η-ΗΗ-Α ΒΟΧ-ШЕ-ΔΟ ΗΑ ΚΟ-ΛΕ-СΗΗ-ЦЮ ΒΟ-ЖЕ-СТЖЕ-ΗΔ-Ю ΠΟ-СΤΟ-ΜΕ



εγ-κρα-τεί-α τών πα-θών, ε-πι-σπεύ-σω-μεν
 τώ σταυρώ σου προς αυ-τόν εισ-ω-κί-σθη-μεν,
 Ι-η-σούς ο νο-η-τός όν-τως ή-λι-ος
 τή νη-στεί-α λαμ-πρυνθείς α-νε-φέ-ρε-το,



S414

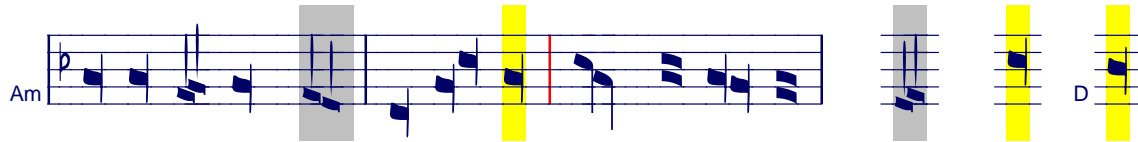


Η-СД-СО МЫСΛЕНОЕ ΒΟ - Η-СΤΗ-ΗΔ СОΛ-ΗΕ-ЦЕ ΠΟ-СΛΑ-ΒΟ

S414



ΠΡΟ-СВТ-ТΗ - ΒΟ-СΑ ΒΟΧ-НО-ША-ШЕ-СΑ

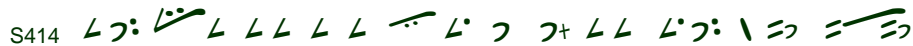
Am 

ό- ξος πι- ών τε χο- λής τε γευ- -σά - με -νος,
 Πη- γάς δα-κρύ - -ων υ- μίν νύν κα - - τά- πεμ- ψον,
 πλά- νης τό σκό- -τος, θε- ό- - ππαι Α - -πό- στο- λοι,
 πά-σης κα- κί- -ας, καί φθό- νου καί έ- -ρι- δος,

Am 

S414 

ΠΡΕ-ΛΕ- ΣΤΗ ΤΗ-ΜΩ ΕΟ-ΓΟ -ΒΗΔ-ΩΥ Δ -ΠΟ- ΣΤΟ- ΛΥ

S414 

Η ΠΟ-ΣΤΗ-ΣΑ ΨΤΟ ΒΣΑΚΥ-Α ΖΑΟ-ΕΥ Η ΖΑΒΗ-ΣΤΗ Η ΗΕ-ΗΔ -ΒΗ- ΣΤΗ

Am 

καί ο-δύ- νας καρ-τε- ρή-σας, τάς εκ τών ή- λων,
 εν και-ρώ τής εγ -κρα- τεί-ας, τόν ρύ-πον πάν -τα,

Am 

Am 

καί ε-φώ- τι-σε τούς εν ζό-φω τής α-γνω- -σί -ας

Am 

καί τρυ-φής α-πορ-ρε- ού-σης καί ε-νη- -δό- νου,

S414 

Η ΠΡΟΣΚΕΤΗ-ΑΗ Ε-ΣΤΕ ΣΩ -ΨΑ- Α ΒΟ ΤΜΕ ΗΕΒΕΔΕΤΗΑ

S414 

Η ΠΗ-ΨΑ ΤΕ-ΚΩ -ΨΑ-Α Η ΣΑΔ-ΣΤΗ

D

Am

Am τάς πι-κρο-τά- τας η-δο-νάς πά-σας εκ τών ψυ- -χών η-μών

Am

Am εκ- -κα-θαι- ρού-σας τών πα-θών, καί τών πται- σμά-των η-μών,
 κε -κρα- τη-μέ-νους πο-νη-ρώς, όν -περ εκ- δου- -σω - -πή-σα- τε,

Am

Am ό-πως ο-δύ- νην χα- λε- πήν φύ- γης δι- αι- -ω - -νί- ζου-σαν,

S414

S414

ω- δερ-ση-μυ- α λιου- τή ε- γο -σε ου- βο μο- λιη -τε
 ѿ-κο δα βѣ-δѣш- το -βѣ-гнѣ- ми н вѣ-чѣ- ны -а ге -ш-ны

Am

Am εξ-η- λώ-σας δι-ά σπλάγ-χνα οικ-τιρ-μών, σώ-σον τούς δού- λους σου.
 ί- να πάν-τες σοι βο-ώ - -μεν εκ- τε- νώς. Κύ- ρι- - ε δό- ξα σοι.
 κα-ταπέμψαι καί η- μίν τόν φω-τι-σμόν καί μέ - -γα έ - -λε- ος.
 τής γε-έν-νης εκ-βο-ώ - -σα τώ Χρι-στώ. Κύ- ρι- - ε δό- ξα σοι.

Am

S414

S414

ннспсλштн нλ-мопро-свѣ-щє-нн- є н вѣ-лн-ю ми - ло- стѣ.

S414

S414

во пн -ю -щн χρη-στѣ γοσπο-дн слλ-ва τε- βѣ.

SPEV

Во вторникъ вечера, на Гдѣ воззвахъ стѣхны, гласъ ѿ. Подобенъ, трѣодн: Гдѣ гласъ:



Снѣ-дѣ-ю дрѣ-вля горѣ-ко-ю, ѿ-рѣ-нѣ-ше-сѧ ѿ ра-ѧ,



воз-дер-жѧ-нѣ-емъ стра-стѣй по-тщѣм-сѧ



внѣ-ти, възы-вѧ-ю-ще бѣ-гѣ на-ше-мѣ,



на крѣ-тѣ про-стрыѣй длѧ-ни тво-ѧ,



ѿ-цетъ пѣ-вѣй ѿ жѣ-лчь вкѣ-сѣ-вѣй,



ѿ вѣ-лѣ-зни пре-тер-пѣ-вѣй ѿ гвоз-дѣй,



гор-чѣй-шы-ѧ слѣ-сти всѧ ѿ дѣ-шз на-шихъ



ѿ-гво-здѣ-вѣй, радн бѣ-гѣ-трѣ-бѣ-ѧ це-дрѣ-тъ, спѣ-сѣ-ра-бѣ тво-ѧ.



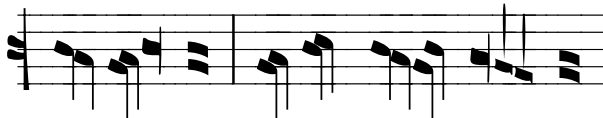
Дре́ва си́бдію і́но-гда́ і́з-гна́ни вѣв-ше і́з ра-ла,



кѣ́-то́мъ тво́імъ вѣнь вѣ-лі-хо-мъ,



ѣ-го́же въ мо-лі-твѣ́ те-бѣ́ при-во-да-ще мно-го-мі-ло-сти-ве,



і́ вѣр-ноу тѣ́ всѣ́ мо-лим-ся:



і́с-то́ч-ни-ки слѣзъ ны́нѣ́ на́мъ и́з-по-слѣ́,



во вре́мя воз-дер-жа́ні-а, сквер-нѣ́ всѣ́



ѡ-чи-щаю-щы-а стра-стѣ́й, і́ пре-грѣ-ше́ній на-шихъ,



да всѣ́ ти вопі́емъ при-лѣж-ноу: го́спо-ди, сла-ва те-бѣ́.

Въ свѣдѣніи первыи седмицы вѣтера. На Гѣнъ воззвахъ. Тѣже господина іовѣфа, гласъ ѿ. Подобенъ: Гѣнъ гласъ.



СВѢ-ТО-ЛОУЧ-НЫ-А ВЛЪЗЪ ГЛѢ-КО МЪЛ-НІ-Н, ВЪ ВЕЕЪ МІРЪ



І-Н-СЪЗЪ МЫ-СЛЕН-НО-Е ВО-НІ-СЪТНЪ СЪЛН-ЦЕ



ПО-СЛЪВЪ, Ѡ-ГНАЛЪ СЪТЪ СВѢТ-ЛОУТЪ-МН



БА-ШЕ-А БО-ЖЕ-СЪТ-ВЕН-НЫ-А ПРО-ПО-ВѢ-ДН



ПРЕ-ЛЕ-СЪТНЪ ТЪМЪ, БО-ГО-ВІД-ЦЫ І-ПО-СТО-ЛН,



І-ПРО-СВѢ-ТНІ-ВО МРА-ЦѢ НЕ-ВѢ-ДѢ-НІ-А



ДЕР-ЖИ-МЫ-А ЛЮ-ТѢ. СЪ-ГО-ЖЕ ОУ-БО МО-ЛІ-ТЕ,



НИЗ-ПО-СЛЪТНІ-І-НАМЪ ПРО-СВѢ-ЩЕ-НІ-Е І-ВЕ-ЛІ-Ю МН-ЛОУТЪ.

Другий тогійе. Подобеня:



Добродѣтелѣмн ѿлі а возшедъ на колесницѣхъ боже ственнѣю,



по стѣмъ про свѣтъ всѣхъ возноша ше еѣ



на всѣхъ не бѣ еѣ ю: се мѣ по ревеннѣ



смирѣна а дше моа, ѿ по стѣ еѣ



ѿ всѣхъ кѣхъ слобѣ, ѿ зѣ - вѣ стѣ, ѿ свѣ ра



ѿ сла до стѣ те кѣ щѣ а ѿ сла ст ны а:



ѿ кѣ да бо лѣ з ни лю ты а ѿ з бѣ г не ши, вѣ ч нѣ ю - щѣ а



ге е н ны, во пѣ ю - щѣ хѣ стѣ: го спо ди, сла - ва те - бѣ.